जब लोगों ने पूछा "हम क्या करेंगे ?"

[38.] पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। [39.] क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर दूर के लोगों के लिये भी है जिन को प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा। [40.] उस ने बहुत ओर बातों में भी गवाही दे देकर समझाया कि अपने आप को इस टेढ़ी पीढ़ी से बचाओ। Acts **प्रेरितों** 2:38-40

ध्यान दें: बपतिस्मा यीशु मसीह के विश्वास में हमारी आध्यात्मिक संघ को दर्शाता है - किसी मानव संगठन की सदस्यता को नहीं।

अपने लिए पवित्र बाइबिल पढ़ें

पवित्र बाइबल में जॉन और रोमियों के सुसमाचार को पढ़कर प्रारंभ करें।

कृपया ध्यान दें: आज कई समझौतावादी "बाइबिल" हैं, जो ऐतिहासिक पारंपरिक पाठ का पालन करने में विफल हैं।
किंग जेम्स संस्करण का उपयोग करें/उसे देखें जो अंग्रेजी और अन्य भाषा अनुवादों के लिए बेंचमार्क है।

साझा करने के लिए मुफ़्त:
The Key4u के अधिक पूर्ण (द्विभाषी) फोन .pdf संस्करण को अधिक भाषाओं में सुसमाचार या बाइबल डाउनलोड (जैसा उपलब्ध हो) के साथ निम्नलिखित संग्रह लिंक पर देखें:

https://archive.org/details/@mav64

अंग्रेजी में उपयोगी और उत्साहजनक संदेशों के लिए:
www.mljtrust.org

Hindi

चाबी 4u छोटा

कृपया ध्यान दें:
निम्नलिखित संदेश का अनुवाद अंग्रेजी से किया गया है और इसलिए इसमें अनुवाद त्रुटियां हो सकती हैं। यह संदेश आपको केवल आपके विचारार्थ दिया गया है; इसका उद्देश्य किसी विशेष धार्मिक संप्रदाय को बढ़ावा देना या कोई व्यावसायिक उद्देश्य नहीं है।

thekeyinfo@protonmail.com

जब यीशु मसीह इस धरती पर चले, तो उनका पूरा जीवन प्रेम, ईमानदारी और करुणा का उदाहरण था। जब लोग भूखे थे तो उसने उन्हें खिलाया, जब वे बीमार थे तो उन्होंने उन्हें चंगा किया। और उसने उन लोगों की निंदा नहीं की जिन्होंने परमेश्वर के कानून को तोड़ने का पश्चाताप किया, लेकिन उन्हें स्वतंत्र रूप से क्षमा कर दिया।

पवित्र ग्रंथों से पता चलता है कि यीशु मसीह हमारे निर्माता के लिए जो प्यार चाहते हैं उसे प्रदर्शित करने के लिए आए थे। इससे पता चला कि परमेश्वर हमारी देखभाल करता है, और इच्छाएँ कि हम उसके निकट आते हैं।

देखें: **जॉन** 3:16 और 4:23

जब लोगों ने पूछा "हम क्या करेंगे ?"

[38.] पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। [39.] क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर दूर के लोगों के लिये भी है जिन को प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा। [40.] उस ने बहुत ओर बातों में भी गवाही दे देकर समझाया कि अपने आप को इस टेढ़ी पीढ़ी से बचाओ। Acts **प्रेरितों** 2:38-40

ध्यान दें: बपतिस्मा यीशु मसीह के विश्वास में हमारी आध्यात्मिक संघ को दर्शाता है - किसी मानव संगठन की सदस्यता को नहीं।

अपने लिए पवित्र बाइबिल पढ़ें

पवित्र बाइबल में जॉन और रोमियों के सुसमाचार को पढ़कर प्रारंभ करें।

कृपया ध्यान दें: आज कई समझौतावादी "बाइबिल" हैं, जो ऐतिहासिक पारंपरिक पाठ का पालन करने में विफल हैं।
किंग जेम्स संस्करण का उपयोग करें/उसे देखें जो अंग्रेजी और अन्य भाषा अनुवादों के लिए बेंचमार्क है।

साझा करने के लिए मुफ़्त:
The Key4u के अधिक पूर्ण (द्विभाषी) फोन .pdf संस्करण को अधिक भाषाओं में सुसमाचार या बाइबल डाउनलोड (जैसा उपलब्ध हो) के साथ निम्नलिखित संग्रह लिंक पर देखें:

https://archive.org/details/@mav64

अंग्रेजी में उपयोगी और उत्साहजनक संदेशों के लिए:
www.mljtrust.org

Hindi

चाबी 4u छोटा

कृपया ध्यान दें:
निम्नलिखित संदेश का अनुवाद अंग्रेजी से किया गया है और इसलिए इसमें अनुवाद त्रुटियां हो सकती हैं। यह संदेश आपको केवल आपके विचारार्थ दिया गया है; इसका उद्देश्य किसी विशेष धार्मिक संप्रदाय को बढ़ावा देना या कोई व्यावसायिक उद्देश्य नहीं है।

thekeyinfo@protonmail.com

जब यीशु मसीह इस धरती पर चले, तो उनका पूरा जीवन प्रेम, ईमानदारी और करुणा का उदाहरण था। जब लोग भूखे थे तो उसने उन्हें खिलाया, जब वे बीमार थे तो उन्होंने उन्हें चंगा किया। और उसने उन लोगों की निंदा नहीं की जिन्होंने परमेश्वर के कानून को तोड़ने का पश्चाताप किया, लेकिन उन्हें स्वतंत्र रूप से क्षमा कर दिया।

पवित्र ग्रंथों से पता चलता है कि यीशु मसीह हमारे निर्माता के लिए जो प्यार चाहते हैं उसे प्रदर्शित करने के लिए आए थे। इससे पता चला कि परमेश्वर हमारी देखभाल करता है, और इच्छाएँ कि हम उसके निकट आते हैं।

देखें: **जॉन** 3:16 और 4:23

लेकिन वह कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो हम जो कुछ भी मांगते हैं उसे आत्मसमर्पण कर दें। इसके बजाय वह अकेला जानता है कि हमें क्या चाहिए। इसलिए, जैसा कि पवित्र बाइबल में भविष्यवाणी की गई थी (यशायाह 53) इसलिए यीशु मसीह वह सटीक तरीका बन गया जिसके द्वारा हम व्यवस्था के कार्यों के बजाय परमेश्वर के अनुग्रह पर आधारित इस नए संबंध में प्रवेश कर सकते थे। न केवल उनकी मृत्यु हुई, बल्कि तीसरे दिन वह कब्र से उठे, उनके सच्चे मसीहा होने के दावे की पुष्टि करते हुए - दरवाजा जिसके माध्यम से हम भगवान के साथ माफी और शांति प्राप्त कर सकते हैं, एक मुफ्त उपहार के रूप में!

मूसा द्वारा डेविन कानून का उद्देश्य क्या था?

हिंदी बाइबल से उद्धरण HHBD

Romans **रोमियो अध्याय** 3:19-20

19. हम जानते हैं, कि व्यवस्था जो कुछ कहती है उन्हीं से कहती है, जो व्यवस्था के आधीन हैं: इसलिये कि हर एक मुंह बन्द किया जाए, और सारा संसार परमेश्वर के दण्ड के योग्य ठहरे।
20. क्योंकि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी उसके साम्हने धर्मी नहीं ठहरेगा, इसलिये कि व्यवस्था के द्वारा पाप की पहिचान होती है।

Galatians **गलातियों अध्याय** 3:22-24

22. परन्तु पवित्र शास्त्र ने सब को पाप के आधीन कर दिया, ताकि वह प्रतिज्ञा जिस का आधार यीशु मसीह पर विश्वास करना है, विश्वास करने वालों के लिये पूरी हो जाए॥
23. पर विश्वास के आने से पहिले व्यवस्था की आधीनता में हमारी रखवाली होती थी, और उस विश्वास के आने तक जो प्रगट होने वाला था, हम उसी के बन्धन में रहे।
24. इसलिये व्यवस्था मसीह तक पहुंचाने को हमारा शिक्षक हुई है, कि हम विश्वास से धर्मी ठहरें।

Romans **रोमियो अध्याय** 3:21-23

21. पर अब बिना व्यवस्था परमेश्वर की वह धार्मिकता प्रगट हुई है, जिस की गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं।
22. अर्थात परमेश्वर की वह धामिर्कता, जो यीशु मसीह पर विश्वास करने से सब विश्वास करने वालों के लिये है; क्योंकि कुछ भेद नहीं।
23. इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।

Romans **रोमियो अध्याय** 5:20-21

20. और व्यवस्था बीच में आ गई, कि अपराध बहुत हो, परन्तु जहां पाप बहुत हुआ, वहां अनुग्रह उस से भी कहीं अधिक हुआ।
21. कि जैसा पाप ने मृत्यु फैलाते हुए राज्य किया, वैसा ही हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अनुग्रह भी अनन्त जीवन के लिये धर्मी ठहराते हुए राज्य करे॥

Romans **रोमियो अध्याय** 5:1-2

1. सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें।
2. जिस के द्वारा विश्वास के कारण उस अनुग्रह तक, जिस में हम बने हैं, हमारी पहुंच भी हुई, और परमेश्वर की महिमा की आशा पर घमण्ड करें।

यीशु कहा:

24. मैं तुम से सच सच कहता हूं, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है। John **यूहन्ना अध्याय** 5:24

रोमियों 5: 9, 8: 1 **मत्ती** 11: 28-30

इसका अर्थ है कि जो लोग परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह से दूर हो गए हैं, और जो वास्तव में अपनी गलतियों (पापों) से दुखी हैं। जो केवल यीशु मसीह में अपना विश्वास रखते हैं, धर्मी बन जाते हैं और उन्हें एक नया स्वभाव (आध्यात्मिक पुनर्जन्म) दिया जाता है।

देखें: 1 **पतरस** 1:23

लेकिन वह कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो हम जो कुछ भी मांगते हैं उसे आत्मसमर्पण कर दें। इसके बजाय वह अकेला जानता है कि हमें क्या चाहिए। इसलिए, जैसा कि पवित्र बाइबल में भविष्यवाणी की गई थी (यशायाह 53) इसलिए यीशु मसीह वह सटीक तरीका बन गया जिसके द्वारा हम व्यवस्था के कार्यों के बजाय परमेश्वर के अनुग्रह पर आधारित इस नए संबंध में प्रवेश कर सकते थे। न केवल उनकी मृत्यु हुई, बल्कि तीसरे दिन वह कब्र से उठे, उनके सच्चे मसीहा होने के दावे की पुष्टि करते हुए - दरवाजा जिसके माध्यम से हम भगवान के साथ माफी और शांति प्राप्त कर सकते हैं, एक मुफ्त उपहार के रूप में!

मूसा द्वारा डेविन कानून का उद्देश्य क्या था?

हिंदी बाइबल से उद्धरण HHBD

Romans **रोमियो अध्याय** 3:19-20

19. हम जानते हैं, कि व्यवस्था जो कुछ कहती है उन्हीं से कहती है, जो व्यवस्था के आधीन हैं: इसलिये कि हर एक मुंह बन्द किया जाए, और सारा संसार परमेश्वर के दण्ड के योग्य ठहरे।
20. क्योंकि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी उसके साम्हने धर्मी नहीं ठहरेगा, इसलिये कि व्यवस्था के द्वारा पाप की पहिचान होती है।

Galatians **गलातियों अध्याय** 3:22-24

22. परन्तु पवित्र शास्त्र ने सब को पाप के आधीन कर दिया, ताकि वह प्रतिज्ञा जिस का आधार यीशु मसीह पर विश्वास करना है, विश्वास करने वालों के लिये पूरी हो जाए॥
23. पर विश्वास के आने से पहिले व्यवस्था की आधीनता में हमारी रखवाली होती थी, और उस विश्वास के आने तक जो प्रगट होने वाला था, हम उसी के बन्धन में रहे।
24. इसलिये व्यवस्था मसीह तक पहुंचाने को हमारा शिक्षक हुई है, कि हम विश्वास से धर्मी ठहरें।

Romans **रोमियो अध्याय** 3:21-23

21. पर अब बिना व्यवस्था परमेश्वर की वह धार्मिकता प्रगट हुई है, जिस की गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं।
22. अर्थात परमेश्वर की वह धामिर्कता, जो यीशु मसीह पर विश्वास करने से सब विश्वास करने वालों के लिये है; क्योंकि कुछ भेद नहीं।
23. इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।

Romans **रोमियो अध्याय** 5:20-21

20. और व्यवस्था बीच में आ गई, कि अपराध बहुत हो, परन्तु जहां पाप बहुत हुआ, वहां अनुग्रह उस से भी कहीं अधिक हुआ।
21. कि जैसा पाप ने मृत्यु फैलाते हुए राज्य किया, वैसा ही हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अनुग्रह भी अनन्त जीवन के लिये धर्मी ठहराते हुए राज्य करे॥

Romans **रोमियो अध्याय** 5:1-2

1. सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें।
2. जिस के द्वारा विश्वास के कारण उस अनुग्रह तक, जिस में हम बने हैं, हमारी पहुंच भी हुई, और परमेश्वर की महिमा की आशा पर घमण्ड करें।

यीशु कहा:

24. मैं तुम से सच सच कहता हूं, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है। John **यूहन्ना अध्याय** 5:24

रोमियों 5: 9, 8: 1 **मत्ती** 11: 28-30

इसका अर्थ है कि जो लोग परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह से दूर हो गए हैं, और जो वास्तव में अपनी गलतियों (पापों) से दुखी हैं। जो केवल यीशु मसीह में अपना विश्वास रखते हैं, धर्मी बन जाते हैं और उन्हें एक नया स्वभाव (आध्यात्मिक पुनर्जन्म) दिया जाता है।

देखें: 1 **पतरस** 1:23